प्रेस विज्ञप्ति

दिल्ली स्थित आजादपुर एपीएमसी मंडी में भाव प्रसारण प्रोजेक्ट का केंद्रीय कृषि, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री माननीय श्री शरद पवार के हाथों 12 मई, 2010 को उदघाटन

1. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत संकल्पित किसानों और कृषि क्षेत्र के दूसरे धारकों तक कृषि जिंसों के भाव पहुंचाने के प्रोजेक्ट का 12 मई, 2010 को दिल्ली के आजादपुर मंडी प्रेक्षागृह में आजादपुर और नरेला मंडी में प्राइस टिकर बोर्ड का केंद्रीय कृषि, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री माननीय श्री शरद पवार ने उदघाटन किया। भाव प्रसारण के इस प्रोजेक्ट के माध्यम से एग्मार्कनेट प्रोजेक्ट से जुड़े विभिन्न एपीएमसी मंडियों में रियल टाइम आधार पर स्थानीय भाषाओं में इलेक्ट्रोनिक प्राइस टिकर बोर्ड पर कृषि जिंसों के हाजिर व वायदा के भावों को प्रसारित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का कार्यान्वयन वायदा बाजार आयोग (एफएमसी) के साथ चार राष्ट्रीय एक्सचेंजों-एमसीएक्स, एनसीडीईएक्स, एनएमसीई और आईसीईएक्स व एग्मार्कनेट मिलकर कर रहे हैं। प्राइस टिकर बोर्ड पर नेशनल कमोडिटी एक्सचेंजों के वायदा भाव और अग्रणी मंडियों के हाजिर भावों का प्रदर्शन होगा। इस प्रोजेक्ट की खास विशेषताओं में स्थानीय उत्पादित/कारोबारी जिंसों के भाव, स्थानीय भाषाओं में सूचनाओं का प्रदर्शन और रियल टाइम आधार पर भावों का प्रसारण का समावेश है। ऐसे प्रोजेक्टों का कार्यान्वयन साल 2009-10 में शुरू हुआ और अभी तक देश के 14 राज्यों के विभिन्न मंडियों में 183 टिकर बोर्ड लगाए जा चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन से कृषि क्षेत्र से जुड़े धारकों व किसानों को उत्पादन (बुआई व क्षेत्रफल), विपणन व साधन के अलावा भाव जोखिम के दौर में वायदा बाजारों में हेजिंग के इस्तेमाल का लाभ मिलेगा। इस प्रोजेक्ट से किसानों को फसल की बुआई और कटाई के बाद फसल की बिक्री के लिए सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। साथ ही भावों की जानकारी होने के नाते किसानों को अपने माल की बिक्री के लिए भावतोल की क्षमता बढ़ेगी जिससे कि उन्हें उनके उत्पादों के श्रेष्ठ दाम मिल सके।

2. आजादपुर और नरेला मंडी में प्राइस टिकर बोर्ड के उदघाटन के बाद केंद्रीय कृषि, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री माननीय श्री शरद पवार ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से किसानों को उनके उत्पादों के सही दामों की अत्यधिक और सामयिक जानकारी मिलेगी। और वे अपनी जरूरत को पूरा कर सकेंगे। अपने उदघाटन भाषण में माननीय केंद्रीय मंत्री ने भारतीय कृषि की मौजूदा स्थिति का जायजा लेते हुए कहा कि भारतीय आबादी का 60 प्रतिशत निर्भरता होने के बावजूद कृषि क्षेत्र आज देश की कुल आय में 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। स्वतंत्रता के बाद यद्यपि कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है, बढ़ती जनसंख्या के सामने इसकी गति विफल रही है। नतीजन, आज ग्रामीण क्षेत्रों का जीवन स्तर गिरा है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में लोगों का शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन हुआ है। सरकार द्वारा उठाए गए अनेक उपायों से आज देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ है। देश के चौतरफा विकास के लिए आज खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण आबादी खाद्यान्न उत्पादन में हमें आत्म निर्भर बना रही है जिससे हमारे देश के चौतरफा विकास में मदद मिल रही है।

3. उन्होंने आगे कहा कि किसानों के लिए खेती को लाभदायक बनाना और उससे विकसित करना हमारा कर्तव्य है। सिर्फ कृषि उत्पादकता बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, किसानों को उनके मालों का सही कीमत भी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि में विकास दर पूर्व 7-8 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत पर आ गई है। यह नकरात्मक रूख है। माननीय मंत्री ने कहा कि हमें इसे सही स्थिति में लाने के लिए सारे प्रयास करने होंगे। यह सही है कि हमारे किसान निसंस्देह कृषि उत्पादन में काफी सुधार ला सकते हैं, लेकिन उसके लिए उन्हें सभी आवश्यक चीजें मिलनी चाहिए। कृषि में सुधार के संस्थाकीय व्यवस्था होनी चाहिए।
उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज की दुनिया में सूचनाएं सबसे बड़ी शक्ति हैं। किसानों को न केवल उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक सूचनाओं का होना जरूरी है बल्कि उन्हें भावों की जानकारी विभिन्न स्थानों जैसे बैंक, एपीएमसी मंडियां, डाकघर आदि में मिलनी चाहिए। इससे किसानों को माल के बेचने और फसल के निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इस प्रोजेक्ट से किसानों को भावों के बारे में सशक्त बनाया जा सकेगा और उनके माल को सही दाम दिलाने में सुनिश्चित करेगा। उन्होंने आग कहा कि वायदा बाजार आयोग देश के नेशनल एक्सचेंजों व एग्मार्कनेट के साथ मिलकर विभिन्न मंडियों में 183 प्राइस टिकर बोर्ड लगा चुके हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 797 मंडियों में ऐसे प्राइस टिकर बोर्ड कार्यान्वित किये जाएंगे। उन्होंने राज्य सरकारों से इस

प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक सपोर्ट देने और मंडी के अधिकारियों को किसानों को टिकर बोर्ड पर दिए भावों के बारे में जानकारी देने व उन्हें प्रशिक्षित करने का अनुरोध किया।

4. माननीय मंत्री ने सभी कमोडिटी बाजार के सहभागियों व कारोबारियों से अनुरोध किया कि वे किसानों को हित को पूरा ध्यान दें। वर्ना किसानों की रूचि कृषि से हट जाएगी और उसका खामियाजा हमारी अर्थव्यवस्था को भुगतना पड़ेगा।

5. इस उदघाटन समारोह में भारत सरकारके उपभोक्ता मामलात विभाग के सचिव श्री राजीव अग्रवाल, भारत सरकार के खाद्य एवं पीडीएस के सचिव श्रीमती अल्का सिरोही, भारत सरकार के कृषि सचिव श्री पीके बसु, एफएमसी के अध्यक्ष श्री बी. सी. खटुआ, एफएमसी के सदस्य श्री राजीव अग्रवाल और श्री डी. एस. कोलमकर, केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, आजादपुर व नरेला मंडी, एग्मार्कनेट और नेशनल कमोडिटी एक्सचेंजों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दिनांक: 12 मई, 2010
वायदा बाजार आयोग
एवरेस्ट तिसरा माला,
100, मरीन ड्राइव,
मुंबई